फर्स्ट कॉलम

माय बैंक

बदलें नोट की तकदीर

क्या आप अपने कटे-फटे नोटों के लिए परेशान हैं? आपकी यह समस्या शीघ्र ही सुलझने वाली है। यदि सब कुछ योजनानुसार होता है तो आप अपने बैंक की किसी भी शाखा में जाकर कटे-फटे नोट के बदले में नए नोट हासिल कर सकेंगे। इस संबंध में भारतीय रिजर्व बैंक ने अपने मास्टर सर्कुलर में सभी बैंकों को अपनी सभी शाखाओं में नोट बदलने की सुविधा उपलब्ध करवाने को कहा है। हालांकि इस सर्कुलर में यह साफ कर दिया गया है कि केवल वे ही नोट बदले जाएंगे जिसमें एक नोट के सभी फीचर्स यानी नंबर इत्यादि सुरक्षित होंगे। साथ ही नारे या स्लोगन लिखे नोटों के बदले नए नोट जारी नहीं किए जाएंगे।

माय हॉटव्हील

सावधानी में समझदारी

एक सर्वे के अनुसार सड़क हादसों में सबसे ज्यादा अनहोनी का शिकार बाइक सवार ही होते हैं, लेकिन अगर थोड़ी-सी सावधानी रखी जाए तो इससे बचा जा सकता है:

- बाइक चलाते समय हमेशा हेलमेट, दस्ताने और जूते पहनें। इससे किसी हादसे के दौरान आप गंभीर चोट से बच सकेंगे।
- थोड़ी-सी भी रोशनी कम होने पर हेडलाइट का इस्तेमाल जरूर करें, ताकि सामने से आ रहा वाहन चालक आप को पहले ही देख लें।
- दो पहिया वाहनों के साथ तीन चौथाई हादसे कार चालकों की वजह से होते हैं। इसलिए उनसे सुरक्षित दूरी बनाकर रखें।
- अगर आप किसी वाहन के पीछे चल रहे हैं तो उनसे इतनी दूरी पर चलें ताकि आगे वाले वाहन के अचानक रुकने पर भी आप खुद को नियंत्रित कर सकें।

माय न्यू प्रोडक्ट

स्टाइलिश के लिए....!

सोनी इंडिया ने स्टाइलिश लोगों के लिए नया स्टाइलिश वीडियो एमपी-3 वाकमैन लांच किया है। NWZ-A726 नामक इस मॉडल की मुख्य खासियत है इसका हाई वीडियो रिजोल्यूशन, ब्राइटनेस और उच्च गुणवत्ता की आवाज। इसके अलावा बैटरी का शानदार बैकअप इसकी एक अन्य विशेषता है जो इसके ग्राहकों को आकर्षित करेगी। इस मॉडल का 2.4 इंच का एलसीडी स्क्रीन (320 गुना 240 पिक्सल) प्रति सेकंड 30 फ्रेम आपकी आंखों के सामने लैंडस्केप या पोट्रेट फार्मेट में उतारता है। ब्लैक मेटल केस वाले इस एमपी-3 वाकमैन की कीमत 8,990 रुपए है और इसे सोनी के चुनिंदा स्टोर्स में ही उपलब्ध करवाया गया है।

माय फंड

फिडेलिटी का एनएफओ

फिडेलिटी इंटरनेशनल की भारतीय परिसम्पत्ति प्रबंधन कंपनी ने 'फिडेलिटी फ्लेक्सी गिल्ट फंड' लांच किया है। यह ओपन एंडेड स्कीम है जो 31 जुलाई तक खुली रहेगी। यह फंड धनराशि को केंद्र या राज्य सरकारों की सेक्युरिटीज में निवेश करेगा। इसमें रिटेल निवेशक के लिए निवेश की न्यूनतम राशि 5,000 रुपए है। निवेशक 500 रुपए प्रति माह की सिप के जरिये भी फंड में निवेश कर सकता है। इसमें कोई एंट्री लोड नहीं है, लेकिन छह माह से पहले धनराशि निकालने पर आधा फीसदी एक्जिट लोड देना पड़ेगा।

माय बुक

उतार-चढ़ाव में लाभ

सभी निवेश विशेषज्ञ बार-बार यही सलाह देते हैं कि अगर आपको ज्यादा से ज्यादा व सुरक्षित रिटर्न हासिल करना है, तो लंबी अवधि के लिए निवेश कीजिए। यानी एक बार निवेश कीजिए और बाजार में होने वाले उतार-चढ़ावों को भूल जाइए। लेकिन एक समझदार निवेशक बाजार के इन उतार-चढ़ाव (स्विंग ट्रेडिंग) से भी लाभ कमा सकता है। शेयर मार्केट विशेषज्ञ मार्क रिवलैंड अपनी पुस्तक 'स्विंग ट्रेडिंग : ए गाइड टु प्रोफिटेबल शार्ट टर्म इन्वेस्टिंग' में इसी स्विंग ट्रेडिंग तकनीकों के बारे में विस्तार से समझाते हैं। अपने दो दशक के अनुभवों के आधार पर लेखक बताते हैं कि कैसे शार्ट टर्म स्विंग को समझकर अपने शेयरों को बेचना या खरीदना है। 272 पेज की इस पुस्तक की कीमत 495 रुपए है।

माय एडवाइज

सुभाष लखोटिया, कर एवं निवेश विशेषज्ञ

वेतन, पेंशन, परिवार पेंशन या ब्याज से आय अर्जित करने वालों को फार्म आईटीआर-1 भरना है। यह फार्म भरने वाला तबका आमतौर पर नौकरीपेशा वर्ग है। ऐसे लोगों का वास्ता इनकम टैक्स जैसे विभागों से कम ही पड़ता है। इसलिए फार्म भरने में सबसे ज्यादा दिक्कतें भी उन्हें ही होती हैं। हम ऐसे ही लोगों को बता रहे हैं बिंदु दर बिंदु फार्म भरना।

ऐसे भरें रिटर्न

आईटीआर-1 पेज नं.1

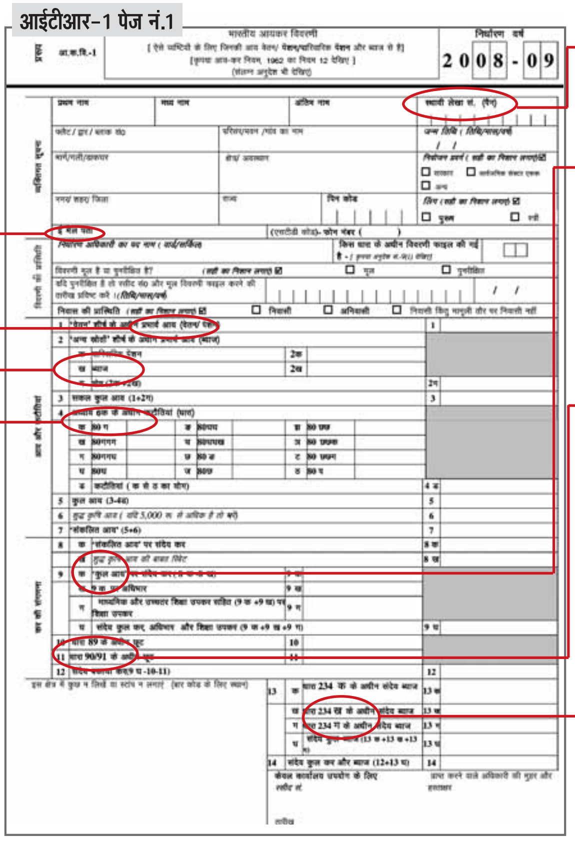

ई-मेल, फोन नंबर : यह वैकल्पिक है। आप चाहें तो इसे खाली भी छोड़ सकते हैं।

1. आय (वेतन, पेंशन) : उसी करयोग्य सकल या नेट आय का उल्लेख करें जो आपको दिए गए फार्म नंबर 16 में दी गई है।

2. अन्य स्रोतों से आय : इसमें पारिवारिक पेंशन व ब्याज के कॉलम दिए गए हैं। पारिवारिक पेंशन (यदि है) स्टैंडर्ड डिडक्शन को घटाकर लिखी जाए। इसी प्रकार ब्याज कॉलम में वही आय लिखी जाए जिस पर आयकर लगना है। आयकर मुक्त ब्याज से अर्जित आय इसमें नहीं लिखनी है।

4. कटौतियां या डिडक्शन : विभिन्न सेक्शनों के तहत प्राप्त कटौतियां लिखनी हैं। वेतनभोगी के लिए सबसे अहम कटौती का स्रोत धारा 80 सी है। इसमें एक लाख रुपए तक की कटौती का दावा किया जा सकता है।

स्थायी लेखा संख्या (पैन): यह फार्म का सबसे महत्वपूर्ण प्वाइंट है। इसे बिल्कुल ध्यान से भरें।

8-9. संदेय कर : अपने स्लैब के अनुसार आयकर लिखें। तमाम कटौतियों के बाद भी आपकी आय 10 लाख रुपए से अधिक है तो 10 फीसदी अधिभार जोड़ें। साथ ही 3 फीसदी शिक्षा उपकर भी जोड़ें।

10-11. छूट : इस छूट का प्रावधान क्रमशः एरियर या एडवांस वेतन मिलने और दोहरे कराधान के सिलसिले में लागू होता है। वैसे अधिकांश लोग इसकी परिधि में नहीं आते हैं।

13. संदेय ब्याज : अग्रिम कर नहीं चुकाने की स्थिति में आयकरदाता कुल कर पर डेढ़ फीसदी ब्याज जोड़ना नहीं भूलें। यह बात ध्यान में रखें कि रिटर्न भरने से पहले ही कर का भुगतान करना जरूरी है।

आईटीआर-1 पेज नं.2

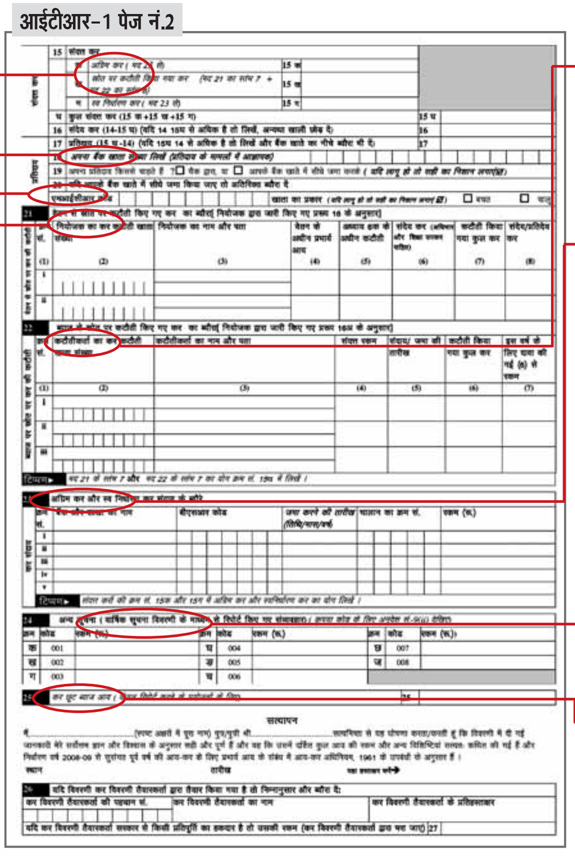

15. अग्रिम कर, टीडीएस, स्व-निर्धारण कर : फार्म में इन बातों का स्पष्ट उल्लेख होना चाहिए। फार्म 16 या फार्म 16 (ए) में टीडीएस दिया गया होता है जिसका उल्लेख करना रिफंड क्लेम के लिए बेहद जरूरी है।

18. बैंक खाता संख्या : रिटर्न फार्म में अपने बैंक एकाउंट की जानकारी ध्यान से भरें। इससे आप जल्द रिफंड हासिल कर सकेंगे।

20. एमआईसीआर कोड : यह आपकी चेक बुक में चेक नंबर के बाजू में 9 अंकों में दिया गया नंबर होता है। आपके बैंक खाते में सीधे रिफंड हासिल करने के लिए इसे लिखना जरूरी है।

21. टीडीएस में कटौती (वेतन): वेतन में टीडीएस कटौती का पूर्ण विवरण दें। यह जानकारी आपके नियोक्ता द्वारा उपलब्ध करवाए गए फार्म 16 से मिल जाएगी।

22. टीडीएस में कटौती (ब्याज): ब्याज इत्यादि में स्रोत पर की गई कटौती का विवरण दें। यह जानकारी फार्म 16 (ए) में मिलेगी जो प्रायः बैंक जारी करते हैं।

23. अग्रिम कर व स्वनिर्धारण कर: इस कालम में अग्रिम कर और स्वनिर्धारण कर के ब्यौरे लिखने हैं। अग्रिम कर वही लिखना होगा जो आप पूर्व में जमा कर चुके हैं।

24. वार्षिक सूचना विवरणी (एआईआर) : इसके तहत आठ मामलों में किए गए बड़े वित्तीय लेन-देन का ब्योरा देना है। इसकी प्रविष्टि बेहद ध्यान से भरें क्योंकि इसे छिपाने पर आयकर विभाग बैंक से प्राप्त जानकारी के आधार पर आपसे सफाई तलब कर सकता है।

25. कर छूट ब्याज आय : इस कॉलम में वह आय लिखी जा सकती है जो आयकर मुक्त ब्याज से अर्जित है।

शेयर, म्यूचुअल फंड से प्राप्त आय:

करमुक्त आय के मामले में वही व्यक्तिगत आयकरदाता यह फार्म भरने का पात्र है जिसकी करमुक्त आय केवल कृषि या ब्याज से होती है। वह व्यक्ति फार्म-1 नहीं भर सकता जिसे शेयरों से दीर्घावधि पूंजीगत लाभ या म्यूचुअल फंड से डिविडेंड हासिल हो रहा है, भले ही इनकम टैक्स के प्रावधानों के तहत यह करमुक्त है।

एक से अधिक संस्थान :

ऐसे कई व्यक्तिगत आयकरदाता हैं जो एक से अधिक संस्थानों के लिए काम कर रहे हैं। ऐसा व्यक्ति भी आईटीआर-1 फार्म भर सकता है क्योंकि वेतन से अर्जित तमाम आय को इसी फार्म में दर्शाना है। व्यक्ति चाहें तो संबंधित जानकारी एक अलग से शीट में भी विस्तार से देकर उसे फार्म के साथ नत्थी कर सकता है।

माय प्लानिंग

आज कमाएं कल करें आराम

कार्पोरेट सेक्टर में युवाओं को मिल रहे भारी-भरकम पैकेज की वजह से जहां एक तरफ उनमें सुरक्षा का भाव बढ़ा है, तो वहीं कम उम्र में रिटायर होने की चाहत में भी इजाफा हुआ है। लेकिन जल्दी रिटायरमेंट के लिए करनी होगी एक समुचित प्लानिंग, ताकि आज की कमाई से कल को आरामदायक बनाया जा सके।

राग वामदत्त

आज की पीढ़ी 60 साल तक काम करना नहीं चाहती। इसलिए जिधर देखो उधर युवा काम में अपने आप को झोंके जा रहे हैं। वे उन तमाम जगहों पर हाथ मार रहे हैं, जहां से उन्हें कमाई हो सके, ताकि जल्दी रिटायर होकर शेष जिंदगी का लुत्फ उठाया जा सके।

यहां सवाल यह है कि यदि कोई जल्दी रिटायर होना चाहता है तो उसे अभी कितना कमाना चाहिए ताकि वह अपने प्लान के अनुसार काम से सेवानिवृत्त हो सके और मौजूदा जीवन स्तर के अनुरूप जीवन व्यतीत कर सके?

इसे हम एक उदाहरण के माध्यम से समझेंगे। एक निजी बैंक में अधिकारी संजय गुप्ता की उम्र अभी 33 साल है और वे 50 साल की उम्र में यानी 2025 में रिटायर होना चाहते हैं। उनके पास अभी 17 साल है। उनकी मौजूदा कमाई 25 हजार रुपए प्रति माह है और इसमें वे बड़ी आरामदायक जिंदगी गुजार लेते हैं। वे 2025 में रिटायरमेंट के बाद भी यही जीवन स्तर बनाए रखना चाहते हैं। यहां सनद रहे कि उनका बैंक उन्हें पेंशन देने नहीं जा रहा है। तो 17 साल बाद भी क्या उनके लिए 25 हजार रुपए काफी होंगे? नहीं। इसमें मुद्रास्फीति को भी ध्यान में रखना होगा। मुद्रास्फीति की वजह से आज 25 हजार रुपए की जो कीमत है, वही कीमत 17 साल बाद नहीं रहेगी।

तब कितनी आय?

मुद्रास्फीति की मौजूदा दर अभी भले ही 11-12 फीसदी हो, लेकिन दीर्घकाल में यह इतनी नहीं रहेगी। औसत दर 6 फीसदी मान लें तो 2025 तक संजय को आज का जीवन स्तर मैंटेन करने के लिए प्रति माह 67,319 रुपए कमाने होंगे। यानी उनकी वार्षिक आय होनी चाहिए 8,07,832 रुपए।

कहां से आएगी?

उस समय संजय आराम के मूड में होंगे, कुछ कमा नहीं रहे होंगे और न ही उन्हें अपने संस्थान से पेंशन मिल रही होगी। इसलिए यह पूरी आय उन्हें अपने निवेश पर अर्जित ब्याज के रूप में प्राप्त करनी होगी। यानी उन्हें हर साल ब्याज के रूप में अर्जित करने होंगे 8,07,832 रुपए। रिटायरमेंट के बाद हर साल सात फीसदी के रिटर्न के साथ 8,07,832 रुपए की वार्षिक आय अर्जित करने के लिए उन्हें 1,15,40,455 रुपए की जरूरत होगी। ब्याज पर टैक्स भी जोड़ लें तो यह राशि और भी ज्यादा हो सकती है। यह पूरी राशि उन्हें 17 साल के दौरान निवेश व बचत से जुटानी होगी।

मुद्दे की बात

- जितना जल्दी निवेश शुरू करेंगे, उतना अधिक फायदा होगा।
- जब भी जागें, निवेश करें। अच्छे समय का इंतजार नहीं करें।
- निवेश का अच्छा या बुरा वक्त नहीं होता। दीर्घकाल का निवेश हर समय अच्छा है।

कैसे होगा संभव?

इन 17 साल में एक करोड़ 15 लाख रुपए पाने के लिए यदि संजय आज से ही प्रति माह निवेश शुरू कर दें और 14 फीसदी रिटर्न (कर पश्चात) की उम्मीद करें तो उन्हें प्रति माह 13,992 रुपए का इन्वेस्ट करना होगा। 25 हजार रुपए में इतनी बचत बहुत ही मुश्किल है, लेकिन सबक यह है कि जितनी जल्दी निवेश या बचत शुरू कर दी जाए, भविष्य उतना ही उज्जवल रहेगा।

(लेखक न्यूयार्क में बिजनेस एनालिस्ट और वेबसाइट www.raagvamdatt.com के सलाहकार हैं।)

HDTV

माय चवाइस

लाइफ में स्टाइल का मामला!

"इलेक्ट्रानिक सामान को बदलने की जरूरत व्यक्ति इसलिए महसूस करता है क्योंकि अब यह उसकी लाइफ स्टाइल में शुमार हो चुका है।

● **मयूर सक्सेना, एक रिटेल चेन के क्लस्टर मैनेजर**

संडे टीम

पिछले कई सालों से जयंत आचार्य के ड्राइंग रूम में 21 इंच का सीआरटी (सामान्य पिक्चर ट्यूब वाला) टेलीविजन रखा हुआ था। उसमें कोई दिक्कत नहीं थी, अच्छा-भला चल रहा था, लेकिन एक दिन अचानक उनके बेटे एक और टीवी सेट उठा लाए, 26 इंच का एलसीडी। दाम थे पूरे 35 हजार रुपए। अब ड्राइंग रूम में विराजमान था एलसीडी टीवी। पुराना टीवी अंदरखाने पहुंचाया जा चुका था।

जयंत के बेटे उन लोगों में से एक है, जिनके लिए 35 हजार रुपए इसलिए मायने नहीं रखते हैं क्योंकि उनके लिए इलेक्ट्रानिक गजेट्स केवल उपयोग की वस्तु नहीं रह गए हैं। ये उपकरण उनकी लाइफ स्टाइल को प्रतिबिंबित करते हैं। एक विक्रेता के अनुसार इसके अधिकांश खरीददार उच्च व उच्च मध्यमवर्ग के वे ही लोग हैं जिनके घरों में पहले ही रंगीन टीवी सेट्स मौजूद हैं।

मार्केट में एलसीडी टीवी के कई ब्रांड्स और दसियों माडल उपलब्ध हैं। बाजार के जानकारों की मानें तो असली प्रतिस्पर्धा चार ब्रांड्स सैमसंग, सोनी, एलजी व फिलिप्स के बीच है। वैसे शार्प व वीडियोकोन के एलसीडी भी अब पैठ बनाने में लगे हैं। सबसे ज्यादा मांग 32 इंच के टीवी सेट्स की है जिसकी कीमत 45 से 65 हजार रुपए के बीच होती है। वैसे बाजार में 20 हजार रुपए से लेकर चार लाख रुपए तक के एलसीडी उपलब्ध हैं। यह कीमत एलसीडी के आकार व गुणवत्ता के अनुसार तय होती है।

- आंखों को नुकसान पहुंचाने वाली किरणें नहीं निकलती हैं।
- प्लाज्मा टीवी की तरह यह बहुत ज्यादा गर्म नहीं होता।
- यह आसानी से 16 से 18 साल तक सेवा दे सकता है।

क्या है एलसीडी?

सामान्य टीवी के विपरीत एलसीडी में पिक्चर ट्यूब का इस्तेमाल नहीं किया जाता है। इसलिए इनका आकार भी स्लीम होता है। 'लिक्विड क्रिस्टल डिस्प्ले' का ही संक्षिप्त रूप है एलसीडी। इसके पैनल्स में दो ट्रांसपेरेंट लेयर होती हैं जिनके बीच में भरा होता है लिक्विड क्रिस्टल मटैरियल। टीवी ऑन करते ही इन क्रिस्टल के बीच प्रकाश कण गुजरने लगते हैं। ये क्रिस्टल डार्क प्रकाश कणों को और डार्क व ब्राइट को और ब्राइट कर देते हैं जिससे शानदार गुणवत्ता की तस्वीरें पैदा होती हैं। एलसीडी टीवी की गुणवत्ता पिक्सल से मापी जाती है। पिक्सल का अनुपात जितना ज्यादा होता है, वह एलसीडी भी उतना ही बेहतर व साथ ही महंगा भी होता है।